पू.सी.रेल निर्माण संगठन के नये महाप्रबंधक

श्री नीलेश किशोर प्रसाद ने दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को महाप्रबंधक, पू.सी.रेल(निर्माण) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है । इससे पहले श्री प्रसाद, पूर्व रेल में मुख्य कार्मिक अधिकारी के रूप में कार्यरत थे ।

श्री एन.के.प्रसाद ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर किया और इग्नू से एमबीए की डिग्री हासिल करके जनवरी 1983 में भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा के रूप में कार्यभार ग्रहण किया । वे 1981 बेच के अधिकारी हैं। दक्षिण मध्य रेलवे में प्रारंभिक वर्ष में उन्होने मंडल, आर ई कारखाना तथा मुख्यालयों में एच आर तथा अन्य स्थापना संबंधी मामलों के विषयों पर कार्य किया है । उसके बाद उन्होंने पू.सी.रेल, मध्यम रेल तथा पश्चिम रेल में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे । वे समन्वय एचओडी बने और वर्ष 2005 से 2008 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नए जोन में मुख्य कार्मिक अधिकारी के रूप में कार्य किया । वें वर्ष 2010 से 2012 तक दक्षिण रेलवे के चेन्नई में मुख्य कार्मिक अधिकारी के रूप में कार्य किया । वर्ष 2015-17 तक पूर्वोत्तर रेलवे में मुख्य कार्मिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थे । मई ,2012 से फरवरी, 2015 के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे गुंटुर में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्य किया । उन्होंने आस्ट्रेलिया, टोरेन्टों /वाशिंगटन एवं पिट्सबर्ग, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका जैसे विदेशों में मैनेजमेन्ट (प्रबंधन) पर प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

भारतीय रेलवे में कार्मिक विभाग में प्रभारी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वे बिलासपुर में रेलवे रिक्रूटमेंट सेल के माध्यम से ग्रूप-डी कर्मचारियों की प्रहली सीधी भर्ती में शामिल हुए । वहॉ पर उन्होंने प्रथम चैक-ऑफ प्रणाली की शुरूआत की जिसमें यूनियन के सदस्यता वेतन से कटौती की गई थी और वातानुकूलित प्रेक्षागृह भवन तथा महाप्रबंधक श्रम कल्याण निधि की स्थापना की गई थी ।

सीएसबीएफ के माध्यम से बहुत सारे श्रम कल्याण कार्य करने का निर्णय लिए -
1. दक्षिण रेलवे के महिला कर्मचारियों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य जांच कराना ।
2. रेलवे अस्पताल में लाखों रूपए के उपकरण प्रदान करना ।
3. पूर्व रेलवे के कैंसर रोगियों के लिए मुंबई में हॉलीडे होम तथा गैंगटॉक में रेल कर्मियों के लिए हॉलीडे हॉम चालू करना ।

मंडल रेल प्रबंधक के रूप में वे बहुत सारे कार्यो को लागू करवानें में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, इनमें से कुछ इस प्रकार है –
(I) गूंटुर में पहली बार एलएसएच सहित रूफ ओवर ॲप्रोच
(II) एलसी गेट सं.3 में सीसीटीवी सहित डबल बुम मॉडल
(III) गूंटुर में प्लेटफॉम सं. 1 में द्वितिय पिट लाइन पर वाशेबल एपरान, भाड़ा जांच केन्द्र , क्रू बुकिंग लॉबी का नवीकरण (IV) गूंटुर तथा नंदयाल में आधुनिक बहु मंजिला टाइप ।। एवं ।।। क्वाटर
(V) रनिंग रूम , विश्राम गृहों का नवीकरण
(VI) तीर्थयात्रियों तथा पर्यटकों के लिए लोकप्रिय स्थान श्रीसइलम निलकंठा निलायम में विश्राम गृह
जहॉ भी वे कार्यरत रहे, उस क्षेत्र में रेलवे को बेहतर बनाने में समर्पित रहे ।